भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं० 2896

दिनांक 12.12.2016 को उत्तर दिए जाने के लिए

गंगा नदी के किनारे शौचालयों का निर्माण

2896. श्री हरिवंशः

श्री लाल सिंह वडोदियाः

क्या पेयजल और स्वच्छता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार गंगा नदी के किनारे कितने शौचालयों का निर्माण करना चाहती है;

(ख) पिछले दो सालों में इस मद में आवंटित राशि का कितना प्रयोग हुआ है; और

(ग) जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के अलावा पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय ने गंगा नदी के किनारे की सफाई के मद में कितनी राशि खर्च की है और इस राशि को किस काम में खर्च किया गया है?

उत्तर

राज्य मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

(श्री रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी)

(क) राज्यों द्वारा किए गए आधारभूत सर्वेक्षण के अनुसार गंगा नदी के तट पर बसी ग्राम पंचायतों में 15,18,649 परिवारों को शौचालयरहित पाया गया। इनमें से, अब तक 730368 शौचालय बनवाए गए। शेष शौचालय बनवाए जा रहे हैं।

(ख) वर्ष 2015-16 में नमामि गंगे के तहत राज्यों को 263 करोड़ रु० जारी किए गए। वर्ष 2016-17 में 315 करोड़ रु० जारी किए गए।

(ग) स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों के अविलंब कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु राज्यों को जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार से निधियों के प्राप्त होने से पूर्व ही एसबीएम(जी) निधियों से शौचालयों के निर्माण और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) (एसबीएम-जी) से संबंधित गतिविधियों को शुरू करने को कहा गया। पेयजल एवं स्व्च्छता मंत्रालय द्वारा पूर्व में एसबीएम-जी में से ''नमामि गंगे'' ग्राम पंचातयों के लिए खर्च की गई निधियां अब जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार से प्राप्त निधियों के अंतर्गत उपयुक्त रूप से बुक कर ली गई हैं।